



# भारत का घड़ापत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)  
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राप्तिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 435]

नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 13, 1993/अप्रह्यायण 22, 1915

No. 435] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 13, 1993/AGRAHAYANA 22, 1915

विन भूत्तान्त  
(प्राधिक कार्य विभाग)  
योग्या प्रभाग  
प्रधिकारी

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर 1993

भारतीय योग्य योग्या नियम (कर्मचारी) (संशोधन) नियम, 1993

सा. नि. 745(प्र):— केन्द्रीय गरकार जीवन योग्या नियम, 1956 (1956 का 31) को पाँच 48 वार्ष प्रदल गणियों का प्रयोग करते हुए भारतीय योग्य योग्या नियम (कर्मचारी) विनियम, 1960 में निम्नलिखित संशोधन अर्हता है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और ग्राम्य :—

(1) इन नियमों का नियम भारतीय योग्य योग्या नियम (कर्मचारी) (संशोधन) नियम, 1993 है।  
(2) ये राजगत्र से प्रकाशन की तारीख को प्रदूत होंगे।

2. भारतीय योग्य योग्या नियम (कर्मचारी) विनियम, 1900 (जिसमें इसके पश्चात् “उत्तर नियम” कहा गया है) में विनियम 10 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा अर्थात् :—

“10. नियम से भेदों के लिए उसको नियुक्ति के समय किसी अधिक की आय 18 वर्ष से कम या 28 वर्ष से अधिक नहीं होगी।

प्रत्यक्ष यह कि सक्षम प्राधिकारी नोबे की सारणी के सम्म (2) में विविदिष्ट अन्यथियों के संबंध में ऊपर का आयु सारणी के सम्म (1) में को तस्थित विविदिष्ट संघीया सक शिविल कर सकता है।

ग्राम्य

क्रम संख्या	अन्यथा	वायु-योग्य
(1)	(2)	(3)
1	किसी ऐसे कर्मचारी की विधवा जिसकी सेवा के 45 वर्ष दौरान नृत्य हो जाती है।	
2	किसी ऐसे कर्मचारी का पुत्र या अविवाहित पुत्रों 30 वर्ष जिसकी सेवा के दौरान मृत्यु हो जाती है।	
3	भूत्युक्त संग्रह	द्वा सेवाओं में की गई सेवा की योग्य सक, जिसमें तीन वर्ष वृद्धि की गई हो, अधिकतम 45 वर्ष की आयु में अधीन रहते हुए।
4	शरीर से प्रसुविधायत्व	35 वर्ष
5	भूत्युक्त जाति/जनजाति के सदस्य	33 वर्ष

परन्तु यह और कि वर्ग 2, वर्ग 3 और वर्ग 4 के पट्टों के लिए नियुक्ति की वजा में प्रबन्ध नियेशक [वैर प्रवासनिक अधिकारी/शास्त्रा प्रबन्धक के काडर या समतुल्य काडर] में पट्टों के लिए नियुक्ति की वजा में अध्यक्ष और अध्यक्ष काडरों में पट्टों के लिए नियुक्ति की वजा में नियम, उपर की आम संबंधी सीमा को, जहाँ कहाँ प्राक्षणक हो, शिखित कर सकता है या अधिस्थान कर सकता है।

3 उक्त नियमों में, विनियम 12 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम रखा जाएगा अर्थात् :—

“पुनर्नियुक्ति ;

12. (1) कोई व्यक्ति, जिसे नियम की सेवा गे पदाध्युत किया गया है, पुनर्नियोजित नहीं किया जाएगा।

(2) कोई व्यक्ति, जिसकी सेवाएँ पदाध्युत के त्वय में मे अन्यथा पर्यावरण की गई हैं, वर्ग 1 के पट्टों पर नियुक्तियों की वजा में नियम की पूर्व मंजूरी से और वर्ग 2, वर्ग 3, वर्ग 4 के पट्टों पर नियुक्ति की दजा में कार्यपालक गमिति की पूर्व मंजूरी स, पुनर्नियोजित किया जा सकेगा।

परन्तु जहा अनुसूची 1 में विनियिक्त नियमान्तर प्राधिकारी, यात्रा-स्थिति, नियम, कार्यपालक समिति या अध्यक्ष है वहाँ उक्त प्राधिकारी आर किसी अन्य सामग्रे में अव्यय वे नियम पूर्वानुमोदन गे पद के लिए नियुक्ति करने वाला प्राधिकारी ऐसे जाकि वे पुनर्नियोजित न होंगा। जिसने गेहा में अव्ययपत्र दिया है।

4. उक्त नियमों में विनियम 19 के उपनियम (2) के नीचे अप्टीकरण में, स्पष्टीकरण 2 के पश्चात् निम्नलिखित स्पष्टीकरण ग्रन्त-स्थापित किया जाएगा अर्थात् :—

“स्पष्टीकरण 3 : यथापूर्वोक्त गय बनामे में नक्तन प्राधिकारी उस समिति की जिसे इस प्रयोजन के लिए नियमित किया गया है और जो ऐसे एक प्राधिकारी जो अधिकारिक प्रबन्धक को पंक्ति से नीचे का न हो बीरऐसे दो प्राधिकारियों जो उक्त प्राचलिक प्रबन्धक/ज्येष्ठ विभागीय प्रबन्धक की पंक्ति से नीचे के न हों, मिलकर बनी हो, वर्ग 2, वर्ग 3, वर्ग 4 के कर्मचारियों के संबंध में और सहायक प्रणालिक प्रतिकारी/गहायक शास्त्रा प्रबन्धक और प्रशासनिक प्राधिकारी/शास्त्रा प्रबन्धक या समतुल्य काडरों में कर्मचारियों के संबंध में तथा अन्य कर्मचारियों के संबंध में ऐसी समिति की जो ऐसे तीन प्राधिकारियों में, जो विनियम 7 के उपनियम (2) के अधीन किसी समिति के लिए विनियिक्त प्राधिकारियों की पंक्ति भं नीचे के न हो, मिलकर बनी हों, जो उस काडर के लिए उपयुक्त हो जिसका वह कर्मचारी है, सिफारियों का ध्यान रखेगा ;”

5. उक्त नियमों के विनियम 25 के उपनियम (3) में, “नियम का विनियिक्य अस्तित्व होगा शब्दों के पूर्व “इन विनियमों के अधीन” शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे।

6. उक्त नियमों के विनियम 32 के उप-विनियम (2) में “नियम का विनियिक्य अस्तित्व होगा” “जट्टों के पूर्व इन विनियमों के अधीन” शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे।

7. उक्त नियमों के विनियम 33 के उप-विनियम (3) में “नियम का विनियिक्य अस्तित्व होगा” “जट्टों के पूर्व इन विनियमों के अधीन” शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे।

8 उक्त नियमों के विनियम 36 में, उग-विनियम (4) के पश्चात् निम्नलिखित ग्रन्तक जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह कि ऐसी कोई और जांच तक तक नहीं की जाएगी जब तक कि वह उस स्थिति का सामना करने के लिए प्राप्तित न हो, जिसमें स्थायालय ने सामग्रे के गुणागुण के संबंध में विचार किए जिन शुद्ध रूप से जननीकी आधारों पर कोई प्रादेश पालित किया है” ;

9. उक्त नियमों के विनियम 38 में “जिसका विनियिक्य अस्तित्व होगा” शब्दों के स्थान पर “इन विनियमों के अधीन जिसका विनियिक्य अस्तित्व होगा, कर्तव्य से उसकी अनुपस्थिति की प्रवृत्ति के लिए उसे निम्नलिखित मंजूर कर सकेगा” शब्द रखे जाएंगे।

10. उक्त नियमों के विनियम 40 में “इस विनियम में अन्तिम लिंग की वात के होते हुए भी और जीवन वीमा नियम अधिनियम, नियमों और विनियमों के उपबन्धों के अधीन रहते हुए कोई अपील विनियम 36 या विनियम 39 के अधीन नियम द्वारा किए गए किसी प्रादेश के विषय नहीं होगी” शब्दों के स्थान पर इस विनियम में अन्तिम लिंग की वात के होते हुए भी और जीवन वीमा नियम अधिनियम, नियमों और विनियमों के उपबन्धों के अधीन रहते हुए कोई अपील नियम को विनियम 36 या विनियम 39 के अधीन नियम द्वारा किए गए किसी प्रादेश के विषय नहीं होगी” शब्द रखे जाएंगे।

11. उक्त नियमों के विनियम 67 के उग-विनियम (2) में “एक अन्य अनुसूची जो प्राधिकारी को प्राधिकार प्रत्यायोगित कर सकेगा” शब्दों के स्थान पर “छुट्टी मंजूर करने के लिए किसी अधिकारी को जो सहायक प्रगतीय प्रबन्धक की पंक्ति से नीचे आ न हो, प्राधिकार प्रत्यायोगित कर गकेगा” शब्द रखे जाएंगे।

।फा सं. । (1)/श्री III/89।

मी. एस. राय, पंयत अधिकारी

रम्पटोकाराम जापन

केन्द्रीय सरकार न. वर्गीनस्य विप्रायत्न सर्वं नियमित (आठवीं नोक सभा) की सिफारिश पर इस अविसूचना के प्रकाशन की हारीख में अनुमोदन दिया है, अनुमोदन नियमों को संशोधित किया जा रहा है।

2. यह प्रामाणित किया जाना है कि भारतीय जनता वीमा नियम के किसी कर्मचारी पर इस अविसूचना से गणिकूल प्रभाव पड़ने की जावना नहीं है।

## MINISTRY OF FINANCE (Department of Economic Affairs)

### Insurance Division

### NOTIFICATION

New Delhi, the 13th December, 1993  
Life Insurance Corporation of India (Staff)  
(Amendment) Rules, 1993

G.S.R. 745(E).—In exercise of the powers conferred by Section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956) the Central Government hereby makes the following amendments to the Life Insurance Corporation of India (Staff) Regulations, 1960, namely :—

#### 1. Short title and commencement :

(1) These rules may be called the Life Insurance Corporation of India (Staff) (Amendment) Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette...

2. In the Life Insurance Corporation of India (Staff) Regulations, 1960 (hereinafter referred to as “the said Rules”) for Regulation 10, the following rules shall be substituted, namely :—

“10. The age of a person at the time of his appointment to the service of the Corporation

shall not be less than 18 or more than 28 years:

Provided that the competent authority may relax the upper age in respect of candidates specified in column (2) of the Table below upto the limit specified in the corresponding entry in column (3) of the Table--

TABLE

S. No	Candidates	Age limit
(1)	(2)	(3)
1	The widow of an employee who dies while in service	45 years
2.	The son or unmarried daughter of an employee who dies while in service	30 years
3.	Ex-servicemen	To the extent of the service put in the defence services as increased by 3 years, subject to a maximum of 45 years of age.
4.	Physically handicapped persons	35 years
5.	Members of the Scheduled Castes/Scheduled Tribes	33 years.

Provided further that the Managing Director, in the case of appointment to posts in Class II, III and IV and the Chairman, in the case of appointment to posts in the cadre of Administrative Officer/Branch Manager or equivalent cadre, and the Corporation in the case of appointment to posts in other cadres may relax or waive the limit on upper age wherever necessary:

3. In the said Rules, for Regulation 12, the following rule shall be substituted, namely :—

#### “Reappointment :

12. (1) No person who has been dismissed from the services of the Corporation shall be re-employed.
- (2) A person whose services have been terminated otherwise than by way of dismissal may be re-employed with the prior sanction of the Corporation in the case of appointments to posts belonging to Class I and of the Executive Committee in the case of appointments to posts belonging to Class II, III and IV:

Provided that where the appointing authority specified in Schedule I is the Corporation, the Executive Committee or the Chairman, as the case may be, the said authority, and in any other case, with the prior approval in writing of the Chairman, the appointing

authority to the post may re-employ a person who has resigned from service”;

4. In the said Rules, in Regulation 19, in the Explanation below sub-regulation (2), after Explanation 2, the following Explanation shall be inserted, namely :—

“Explanation 3 : In forming the opinion as aforesaid the competent authority shall have regard to the recommendations of a committee constituted for the purpose and consisting of one officer not below the rank of Zonal Manager and two officers not below the rank of Deputy Zonal Manager/Senior Divisional Manager in respect of employees belonging to Classes II, III, IV and employees in the cadres of Assistant Administrative Officer/Assistant Branch Manager and Administrative Officer/Branch Manager or equivalent cadres, and in respect of other employees by a committee consisting of three officers not below the rank of officers specified for a committee under sub-regulation (2) of Regulation 7, as appropriate to the cadre to which the employee belongs”;

5. In the said Rules, in Regulation 25, in sub-regulation (3), after the word “the decision of the Corporation shall be final” the words “under these regulations” shall be inserted;

6. In the said Rules, in Regulation 32, in sub-regulation (2) after the words “the decision of the Corporation shall be final” the words “under these regulations” shall be inserted;

7. In the said Rules, in Regulation 33, in sub-regulation (3), after the words “the decision of the Corporation shall be final” the words “under these regulations” shall be inserted;

8. In the said Rules, in Regulation 36, after sub-rule (4) the following proviso shall be added, namely :—

“Provided that no such further enquiry shall be held unless it is intended to meet a situation where the Court has passed an order purely on technical grounds without going into the merits of the case”;

9. In the said Rules, in Regulation 38, between the words “whose decision shall be final” and “may grant to him for the period of his absence from duty” the words “under these regulations” shall be inserted;

10. In the said Rules, in Regulation 40, between the words “Act, rules and Regulations, no appeal” and the words “shall be against any order made by the Corporation under Regulation 36 or Regulation 39”, the words “to the Corporation” shall be inserted;

11. In the said Rules, in Regulation 67, in sub-regulation (2), between the words “delegate the authority to any officer” and the words “to grant the leave”, the words “not below the rank of Assistant Divisional Manager” shall be inserted.

## EXPLANATORY MEMORANDUM

On the recommendation of the Committee on Subordinate Legislation (Eighth Lok Sabha), the Central Government has accorded approval with effect from the date of publication of this Notification. The rules are being amended accordingly.

2. It is certified that no employee of the Life Insurance Corporation of India is likely to be affected adversely by this notification

श्रविष्टुता

नई गिल्सी, 13 दिसम्बर, 1993

भारतीय जीवन वीमा नियम, वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा विवरणों और शर्तों का पुनरीक्षण) सांगीधार नियम 1993।

मा का. नि. 716(अ)--- भारतीय सरकार जीवन वीमा नियम प्रधिनियम 1956 (1956 का 31) की धारा 48 द्वारा प्रदल एक्सियो का प्रयोग करते हुए भारतीय जीवन वीमा नियम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा विवरणों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम 1984 का प्रयोग करते हुए लिए विभिन्न विवरण नियम वसाही है, अर्थात्—

1. मध्यम नाम और प्राप्ति—

(1) इन नियमों का मंशिला नाम भारतीय जीवन वीमा नियम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा विवरणों और शर्तों का पुनरीक्षण) सांगीधार नियम 1993 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।

2. भारतीय जीवन वीमा नियम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी सेवा विवरणों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम 1985 के नियम 14 के मात्र पर नियमान्विति नियम रखा जाएगा, अर्थात्—

"14. अधिविधा और वेषानियुक्ति

वर्ग 3 या वर्ग 4 का कोई कर्मचारी जिसे 22 फरवरी, 1983 को या उसके पश्चात नियम की सेवा में नियुक्त किया गया है, 58 वर्ष की आयु पूरी कर लेने पर सेवा विवृत होगा।

परन्तु यह कि कर्मचारी विवरण की श्रद्धालूनी 4 म विनियोग समय प्रतिकारी ऐसी समिति की सिफारिशों का जा इस प्रयोगन के लिए अधिस की रही हो और जो ऐसे एक अधिकारी, जो आचारिक प्रबन्धक की पक्षी सेवा का महो और गोप्य वा अधिकारियों जो उप आचारिक प्रबन्धक/उपेत विभागीय प्रबन्धक का पवित्र सेवा के ल हो, से मिलकर बनी हो, ध्यान रखते हुए यह राय होने पर कि ऐसा करना नियम के हित में है ऐसे कर्मचारी की 55 वर्ष की आयु पूरी कर लेने पर या उसके पश्चात् किसी समय उस तीन मास की सूचना देकर या उसके बदले बेतन देकर मेषानिवृत्त होने का नियेग दे सकता है।

[का. स 4 (1)/वी. III/89 (1)]

मी. एग राव, पर्याप्त सचिव

स्पष्टीकरण ज्ञापन

केन्द्रीय सरकार न अधिनियम विवाही वार्ता मार्गी (थाठ्यी लोग समा) को सिफारिश पर भारतीय जीवन वीमा नियम के वर्षोंग्रामी को ये कि (कर्मचारी और शर्तों का इस अधिसूचना) को प्रवाली का तारीख से पुनरीक्षित करते के लिए अद्युमोदन दिया है। भारतीय जीवन वीमा नियम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा विवरणों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम 1985 के उन्होंने जारी किया जा रहा है।

2 यह प्राप्ति किया जाता है कि भारतीय रद्द तिम नियम रद्द किए रहमचारी पर इस अधिसूचना राग प्रतिका प्रगति पड़ने की समाप्ति नहीं है।

इद विषय— एक नियम अधिसूचना बला मा का नि. 417(अ) तारीख 11-1-1985 के अधीन प्रकाशित किए गए थे और परमानन्द उन्हें अधिगत्ता भवा सा ता. नि. 143 (1) तारीख 7-1-1986 मा. का. नि. 1076 (अ) तारीख 11-3-1986 सा. का. नि. 161 (अ) तारीख 7-12-1987 मा. का. नि. 370 (अ) तारीख 22-8-1988 सा. का. नि. 515 (अ) तारीख 12-5-89 और सा. का. नि. 509 (अ) तारीख 24-5-90 सा. का. नि. 620 (अ) तारीख 6-7-90 और सा. का. नि. 628 (अ) तारीख 11-7-90 और भा. का. नि. 138 (अ) तारीख 11-7-91 सा. का. नि. 697 (अ) तारीख 25-11-91 द्वारा संशोधित किया गया है।

## NOTIFICATION

New Delhi, the 13th December, 1993

Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV employees (Revision of Terms and Conditions of Service) amendment rules, 1993.

G.S.R. 746(E).—In exercise of the powers conferred by Section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, namely:—

## 1. Short title and commencement:—

(1) These Rules may be called the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Amendment Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, for Rule 14, the following rule shall be substituted, namely:—

## "14. Superannuation and retirement:—

An employee belonging to Class III or Class IV, appointed to the service of the

Corporation on or after the 22nd February, 1983 shall retire on completion of 58 years of age :

Provided that the competent authority specified in Schedule IV to the Staff Regulations may, having regard to the recommendations of a Committee, constituted for the purpose and consisting of one officer not below the rank of Zonal Manager and two Officers not below the rank of Deputy Zonal Manager/Senior Divisional Manager, is of the opinion that it is in the interest of the Corporation to do so, direct such employee to retire on completion of 55 years of age or at any time thereafter on giving him three months' notice or salary in lieu thereof

[F. No. 4(1)lIns. III/89(1)]

C. S. RAO, Jt Secy

#### EXPLANATORY MEMORANDUM

On the recommendations of the Committee on Subordinate Legislation (Eighth Lok Sabha) the

Central Government has accorded approval to revise the terms and conditions of service of employees of Life Insurance Corporation of India with effect from the date of publication of this Notification. Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985 are being amended accordingly.

2. It is certified that no employee of the Life Insurance Corporation of India is likely to be affected adversely by this notification.

Foot Note The Principal rules were published under Notification No. GSR 357(E) dated 11-4-1985 and subsequent amended by Notification Nos. GSR 18(E) dated 7-1-1986, GSR 1076(E) dated 11-9-1986, GSR 961(E) dated 7-12-1987, GSR 870(E) and 873(E) both dated 22-8-1988, GSR 515(E) dated 12-5-1989 and GSR 509(E) dated 24-5-1990, GSR 620(E) dated 6-7-1990 and GSR 628(E) dated 10-7-1990 and GSR 338(E) dated 11-7-1991, GSR 697(E) dated 25-11-91.

